हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 06 सितम्बर 2019 को लेह (लद्दाख) में एक दिवसीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन

हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 6 सितम्बर 2019 को कृषि विभाग, लेह और वन विभाग, लेह के सहयोग से इंडोर स्टेडियम, लेह में एक दिवसीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मेले में लेह क्षेत्र के 139 किसानों सहित, कृषि विभाग, वन विभाग, केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बागवानी विभाग, उप निदेशक कमांड क्षेत्र तथा पशु पालन विभाग, लेह के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस मेले में विषय अतिथियों के तौर पर माननीय कार्यकारी पार्षद (वन), कार्यकारी पार्षद (कृषि) एवं पार्षद, लेह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय श्री गयाल पी बंगाज, मुख्य कार्यकारी पार्षद, लेह स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (LAHDC) ने किया। सभा को संबोधित करते हुए कहा कि लद्दाख क्षेत्र को जैविक खेती के साथ भरा-भरा बनाना है। लद्दाख क्षेत्र को 2025 तक जैविक खेती के लक्ष्य को पूरा करने के लिए हिल काउंसिल प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से स्थानीय किसानों को क्षेत्र के बिभिन्न वानिकी, चारे और कृषि संबंधी मुद्दों पर
चर्चा करने में फायदा होने के साथ वह अपने उत्पादों को यहाँ प्रदर्शन करने का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन करने तथा किसानों को जुनिपर के पौधे बाटने के लिए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का आमार व्यक्त किया।

श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल, प्रभाग प्रमुख, विस्तार, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने मुख्य अतिथि, अन्य गणमान्य व्यक्तियों, किसानों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया की संस्थान ने जुनिपर के बीज़ से 70 गोदाम तक नस्ती उगाने में सफलता प्राप्त की है तथा ये इसी तकनीक को यहाँ उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने यहाँ भी जुनिपर के नस्ती तकनीक द्वारा जुनिपर को यहाँ के कीत मसूद-सह-वन विभाग के बीज़ में उगा कर यहाँ के वन विभाग एवं ग्रामीणों को मिलाया, जिससे स्थायीत्व की जामी। उन्होंने यहाँ के अधिकृत पौधों को अपने क्षमता के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सोवा-रिगपा संस्थान, लेह के साथ आपकी सहयोग से यहाँ के अधिकृत पौधों पर अनुसंधान परियोजना चला रहा है जिसमें भविष्य में यहाँ के किसानों के अंतरिक्ष आय/आजीविका बढ़ाने में सहयोग होगी। उन्होंने यहाँ पर चल रही अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों का संशोधन विभवण भी किया। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन से जनता तक वानिकी में मिले गए शोधों/अनुसंधानों को अधिक तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने वन विभाग, लेह और कृषि विभाग, लेह का हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के साथ किसान मेले के संयुक्त आयोजन करने के लिए का धन्यवाद किया।

मुख्य कृषि अधिकारी, श्री ताशी सेतन ने कहा कि कृषि और चारे के लिए यहाँ पर बहुत सीमित संसाधन हैं। इसलिए, यहाँ के लोगों की कृषिविज्ञानी पर अधिक विचार करना चाहिए तथा जैविक बेहतर पर जोर देना चाहिए। उन्होंने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक का वित्तीय सहयोग देना प्राप्त करने के लिए विशेष तौर पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी संस्थान इस तरह के संयुक्त आयोजन करने में सहयोग देता रहेगा।
विशिष्ट अतिथि, श्री स्टैंजन फुंसोग, माननीय कार्यकारी पार्षद (कृषि), LAHDC, लेह ने अपने भाषण में कहा कि आज के समय में कृषि वाणिज्य के बिना खेती अधूरी है इसलिए सीमित भूमि में पर्याप्त कृषि के साथ- साथ औषधीय पौधों अन्य पेड़ – पौधों पर विचार करना होगा। उन्होंने किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन करने के लिए विशेष तौर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का आभार व्यक्त किया।

किसान मेला-सह-प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा अपने प्रदर्शनी स्टाल लगाए गए जिनमें कृषि विभाग, वन विभाग, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बागवानी विभाग, पशु पालन विभाग तथा स्वयं सहायता समूहों ने मुख्य रूप से भाग लिया। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा भी प्रदर्शनी स्टाल स्थापित किया गया जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों डॉ वनीत हृष्टू और श्री पीतांबर सिंह नेगी द्वारा किसानों को लेह क्षेत्र के पेड-पौधों और औषधीय पौधों सहित वाणिज्य के विभिन्न पहलूओं पर जानकारी प्रदान की गई।
किसान मेले-सह-प्रदर्शनी का समापन डॉ. हरप्रीत कौर, वन मण्डल अधिकारी, लेख द्वारा सभी के धन्यवाद के साथ हुआ। उन्होंने विशेष तौर पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक का वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला से आई अधिकारियों तथा वैज्ञानिकों की टीम का इस महत्वपूर्ण आयोजन तथा जूनीपर के गुणवत्ता गुणधर्म प्रदान करने हेतु धन्यवाद किया तथा उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्थान के संयोजन में भी इस प्रकार के आयोजन अधिक सहयोग करता रहेगा।

मेले के समापन के पश्चात श्री पीतांबर सिंह नेपी, वैज्ञानिक द्वारा लेख वन मण्डल के अधिकारियों, फील्ड स्टाफ तथा कुछ ग्रामीण किसानों को जूनीपर की बीज-कृत्रिमिकी (Seed Technology) से संबंधित ज्ञान पहलुओं पर जानकारी प्रदान की।

किसान मेले-सह-प्रदर्शनी की कुछ झलकियाँ
CEC LAHDC Leh, Wangyal inaugurates vegetable-fruit Mela-cum-Exhibition

JIGMET JANSPAL KHUNGNU LEH, SEP 6: With an aim to provide an opportunity to the local farmers to gain knowledge and to encourage them for retaining the farming sector a one day Kissan Mela-cum-Exhibition 2019 was organized by the Department of Agriculture & Forest Department, Leh (H&F), Shima at Indoor Stadium, Karmachey Leh. CEC LAHDC Leh, Gyal P Wangyal who was the Chief Guest on the occasion inaugurated the Mela-cum-Exhibition.

While addressing the gathering on the occasion the chief guest, Chief Executive CEC LAHDC Leh, Gyal P Wangyal informed that the region has good potential to grow different varieties of vegetables and fruits and this exhibition shows that there is a lot of development annually benefiting from modern technology and knowledge by the local farmers in the farming sector. He said that youth can also move towards agriculture sector for their livelihood and stressed upon adopting organic farming instead of chemical fertilizers in order to fulfill the vision of LAHDC Leh to make Leh organic region.

Satya Prakash Negi (IPS), Conservator of Forest, H&F, Shima talked about Juniper. He said that Juniper is a major problem in our region. He also informed the gathering that Juniper is not only a major problem but also it is a major reason for deforestation.

Gyal P Wangyal said that the exhibition is a step towards the development of organic farming in the region. He said that organic farming is the need of the hour and it is the responsibility of all to work towards it. He also informed that the exhibition will be held from 6th to 8th September and the best exhibits will be given as awards.

CEC Leh, Wangyal inaugurates vegetable-cum-flower expo

Satya Prakash Negi from HPRI Shimla in his address spoke about their success with 70 per cent germination of juniper seeds in Himachal with use of seed technology and artificial regeneration technique. He also mentioned about the potential of medicinal plants in Ladakh and informed about a project taken up with Sowa Rigpa to initiate research on medicinal plants in Leh.

Speaking on the occasion, CEC Leh, Tashi Tsering said that farmers who were presented various prizes.

EXECUTIVE COUNCILLOR, CEC LAHDC Leh, Agriculture Department and J&K Forest Department also participated in the exhibition.

While addressing the gathering, the CEC said that with the introduction of Kissan Mela cum Exhibition, there is an opportunity for the farmers to showcase their produce and to gain knowledge from the experts.

Young Bites
CEC Leh inaugurates Vegetables-cum-Flowers Expo

YB News
Leh, Sept 6

CEC, LAHDC Leh Gyal P. Wangyal inaugurated the Vegetables-cum-Flowers Expo, 2023 in the premise of Indoor Stadium, Leh today.

EC Agriculture Stanzin Phuntsog, EC Animal/Sheep Husbandry Muntaz Hussain, Councilor Upper Leh, Councilor Khalsi, Satya Prakash Negi, Himalayan Forest Research Institute, Shamina, Chief Agriculture Officer, Chief Horticulture Officer, DC Leh, Dy DC Command area, other senior officers of Agriculture and Forest Department, Leh and farmers from different villages of the district participated in the function.

Addressing the gathering, CEC said that agriculture has always been the priority sector of Hill Council and the project of making Leh district completely organic by 2025 is an important step taken on mission mode by Hill Council. He said that initially farmers may earn less income from organic produces but over the time it will increase manifold. He also made a mention of Buckwheat which has a high demand and price in national and international market and stressed on the need to grow more Buckwheat for commercial purposes. He also stressed on the need to develop mushroom production in Leh and create more awareness among public at all levels.

Satya Prakash Negi, IFS Conservation of Forest, HFR, Shamina in his speech spoke about their success with 70% germination of Juniper seeds in Himachal with the use of seed technology and artificial regeneration technique. He said that they are using similar techniques with local species of Juniper in Leh and once the result is positive they will collaborate with Forest Division, Leh to introduce it for the public.

CEC Leh Inaugurates Vegetables-cum-Flowers Expo

JOURNEY LINE

JL NEWS SERVICE

LEH, SEPT 6: CEC, LAHDC Leh Gyal P. Wangyal inaugurated the Vegetables-cum-Flowers Expo, 2023 in the premise of Indoor Stadium, Leh today.

EC Agriculture Stanzin Phuntsog, EC Animal/Sheep Husbandry Muntaz Hussain, Councilor Upper Leh, Councilor Khalsi, Satya Prakash Negi, Himalayan Forest Research Institute, Shamina, Chief Agriculture Officer, Chief Horticulture Officer, DC Leh, Dy DC Command area, other senior officers of Agriculture and Forest Department, Leh and farmers from different villages of the district participated in the function.

Addressing the gathering, CEC said that agriculture has always been the priority sector of Hill Council and the project of making Leh district completely organic by 2025 is an important step taken on mission mode by Hill Council. He said that initially farmers may earn less income from organic produces but over the time it will increase manifold. He also made a mention of Buckwheat which has a high demand and price in national and international market and stressed on the need to grow more Buckwheat for commercial purposes. He also stressed on the need to develop mushroom production in Leh and create more awareness among public at all levels.

Satya Prakash Negi, IFS Conservation of Forest, HFR, Shamina in his speech spoke about their success with 70% germination of Juniper seeds in Himachal with the use of seed technology and artificial regeneration technique. He said that they are using similar techniques with local species of Juniper in Leh and once the result is positive they will collaborate with Forest Division, Leh to introduce it for the public.

CEC Leh Inaugurates Vegetables-cum-Flowers Expo

On the occasion, there were stalls of vegetables, fruits and flowers presented by local farmers who were later also awarded with prizes. KVR, SKUAST-K LAZR, Agriculture Department and J&K Forest Department also participated in the exhibition.

There were stalls of local handicraft and food by SHGs and Women Alliance. A show by artist of Ladakh Advertising Agency, Leh was also presented on the occasion.

DAILY EXCELSIOR
CEC Leh inaugurates
Vegetables-cum-Flowers Expo

Excelsior Correspondent


EC Agriculture Stanzin Phuntog, EC Animal/Sheep Husbandry Muntaz Hussain, Councilor Upper Leh, Councilor Khalist, Satya Prakash Negi, Himalayan Forest Research Institute, Shimla, Chief Agriculture Officer, Chief Horticulture Officer, DFO, Leh, Dy Dir Command Area, other senior officers of Agriculture and Forest Departments, Leh and farmers from different villages of the district participated in the function.

Addressing the gathering, CEC said that people of Ladakh have to be fully prepared to cater the industry with locally grown food products. He added that in coming times there would be sufficient fund flowing to Ladakh and it would be responsibility of every Ladakhi to utilize it timely and judiciously.

CEC said that the project of making Leh district completely organic by 2025 is an important step taken on mission mode by Hill Council. He said that initially farmers may earn less income from organic produces but over the time it will increase manifold.

Satya Prakash Negi, Conservator of Forest, HFRI, Shimla, spoke about their success with 70 percent germination of Juniper seeds in Himachal with the use of seed technology and artificial regeneration technique. He said that they are using similar technique with local species of Juniper in Leh and once the result is positive they in collaboration with Forest Division, Leh, will introduce it for the public. He also mentioned about the potential of medicinal plants in Ladakh and informed about a project taken up with Sowa Rugpa to research on medicinal plants in Leh.

CAO Leh, Tashi Tsetan apprised about the profitable production of high yielding peas and rajma with vacuum pack to mention on priority. He also felt the need to promote floriculture and mushroom production which is made possible to grow locally with the establishment of a laboratory in Leh with the support of Hill Council.

On the occasion, there was wide range of exhibition of vegetables, fruits and flowers presented by local farmers who were later also awarded with prizes KVK SKUAST-K, CAZRI, Agriculture Department and J&K Forest Department also participated in the exhibition. There were stalls of local handicraft and food by SHGs and Women Alliance. A skit by artists of Ladakh Advertising Agency, Leh, was also presented on the occasion.
Leh CEC inaugurates vegetables, flowers Expo

LEH, SEPTEMBER 06: CEC, LAHDC Leh Gyal P Wangyal inaugurated the Vegetables-cum-Flowers Expo, 2019 in the premise of Indoor Stadium, Leh today.

EC Agriculture Stanzin Phuntsog, EC Animal Sheep Husbandry Mumtaz Hussein, Councilor Upper Leh, Councilor Kharbi, Satya Prakash Negi, Himalayan Forest Research Institute, Shimla, Chief Agriculture Officer, Chief Horticulture Officer, DFO, Leh, Dy Dir Command area, other senior officers of Agriculture and Forest Departments, Leh and farmers from different villages of the district participated in the function.

Addressing the gathering, CEC said that agriculture has always been the priority sector of Hill Council and the project of making Leh district completely organic by 2025 is an important step taken on mission mode by Hill Council. He said that initially farmers may earn less income from organic produce but over time it will increase manifold. He also made a mention of Bugswheat which has a high demand and price in national and international market and stressed on the need to grow more of bugswheat for commercial purposes. He also stressed on the need to develop mushroom production in Leh and create more awareness among public at all levels.

Satya Prakash Negi, IFS Conservator of Forest, HPRI, Shimla in his speech, spoke about their success with 70% germination of Juniper seeds in Himachal with the use of seed technology and artificial regeneration technique. He said that they are using similar technique with local species of Juniper in Leh and once the result is positive they will collaborate with Forest Division, Leh and will introduce it for the public.

He also mentioned about the potential of medicinal plants in Ladakh and informed about a project taken up with Sowa Rapta to research on medicinal plants in Leh.

On the occasion, there was wide range of exhibition of vegetables, fruits and flowers presented by local farmers who were later also awarded with prizes.

KVK SKUAST-K, GAZIM Agriculture Department and J&K Forest Department also participated in the exhibition. There were stalls of local handicraft and food by SHGs and Women Alliance. A skit by artists of Ladakh Advertising Agency, Leh was also presented on the occasion.